(३ घंटे) **(कुल अंकः १००)**

सूचना : १. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
२. उत्तर पुस्तिका पर प्रश्न क्रमांक/उप-प्रश्न क्रमांक अवश्य लिखें।
३. आई.डी.ओ.एल. (पत्राचार) के विद्यार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर आई.डी.ओ.एल (पत्राचार) अवश्य लिखें।
४. आवश्यक स्थानों पर काल्पनिक नाम और पत्ते का प्रयोग करे।

१. निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहीत व्याख्या कीजिए। २७

(क) ''जब विश्व पिलाता है विष पीता हूँ,
जब मर जाता तब ज्यादा जीता हूँ,
तुम जब मुझको रस का पनघट कहते
तब लगता है जैसे घट रीता हूँ;
जो पास खडे मदिरालय में उनसे भयभीत नहीं,
जो दूर बहुत बैठे उन अनजानों से डरता हूँ।''

अथवा

''इस सदन में अकेला ही दिया हूँ;
मत बुझाओं!
जब मिलेगी, रोशनी मुझसे मिलेगी!!''

(ख) ''मेरी संतान, ऐश्वर्य की अधिकारिणी संतान वन में घूम रही है, उसका मुकुट, उसका ऐश्वर्य भीग रहा हैं, मेरे राम कब घर लौटेंगे, मेरे राम के सेवक का दुपट्टा भीग रहा है, पहरूए का कमरबंद भीग रहा है, उसका जागरण भीग रहा है, मेरे राम की सहचारिणी सीता का सिंदूर भीग रहा है, उसका अखंड सौभाग्य भीग रहा है, में कैसे धीरज धरूँ?''

अथवा

''किसी भी समाज में संवाद की स्थिति मनुष्य के पारस्पारिक रिश्तों पर निर्भर करती है, जिस अनुपात में इन रिश्तों में अविश्वास ओर संदेह की गाँठे जटिल होती जाएगी, संवाद भी उतना ही उथला, संकीर्ण और कृत्रिम बनता जाएगा।''

(ग) ''कविता में घृणा के लिए कोई स्थान नहीं है शिल्पी् कविता तो मानवीय महत्त्व की उपासना की सबसे बडी आरती है।''

अथवा

''इनके बिना संसार अधुरा है महाराज! रति, काम क्रीडा मनुष्य जीवन की सबसे गहरी स्थितियाँ हैं। भूख के बाद काम ही जीवन का सबसे बडा आकर्षण है। एक का संबंध अस्तित्व से, तो दूसरे का जीने से । गोपनीयता आत्म-रति को जन्म देती है महाराज।''

२. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिएः- ३६

(क) 'मेरी थकान उतर जाती है' कविता का केन्द्रीय भाव स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'मैं गुमराह स्वर्ण को अपनी कसम नहीं बेचूंगा'- पठित कविता के आधार पर इस कथन की सविस्तर चर्चा कीजिए।

(ख) 'कूटज' निबन्ध की मूल चेतना पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'श्रद्धा और भक्ति' निबन्ध का संदेश अपने शब्दों में लिखिए।

(ग) 'खजुराहो का शिल्पी' नाटक के शीर्षक की सार्थकता पर प्रकाश डालिए।

अथवा

अलका की चारित्रिक विशेषताएं अपने शब्दों में लिखिए।

३. किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिएः- १२

'एक भी आँसू न कर बेकार' कविता का संदेश अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

'यथार्थ और आदर्श' निबन्ध का आशय स्पष्ट कीजिए।

अथवा

'खजुराहो का शिल्पी' नाटक की कथावस्तु पर प्रकाश डालिए।

४. टिप्पणियाँ लिखिए :- १५

(क) 'जिन्दगी आरंभ होती है' कविता का भावार्थ

अथवा

'सभाएँ बंद कर' कविता का संदेश

(ख) 'वैष्णव की फिसलन' निबन्ध का व्यंग्य

अथवा

'राघवःकरूणों रसः' निबन्ध का आशय

(ग) 'महाराज यशोवर्मन का स्वप्न'

अथवा

'माधव'

५. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए :- १०

१. 'खिलौनाः एक उद्‌बोधन' किस कवि की रचना है?

२. 'उस लहर के हाथ का कंगण बनूंगा यह किसकी कविता है?

३. 'मौलिक सपने भटक रहे हैं' कविता के कवि का नाम लिखिए।

४. 'वेष्णव की फिसलन' के लेखक कौन है?

५. 'कूटज' किस की रचना है?

६. 'निबन्ध संचयन' पुस्तक के सम्पादक का नाम लिखिए।

७. अलका की माता का नाम क्या है?

८. 'खजुराहो का शिल्पी' नाटक किसने लिखा है?

९. अलका को सामने बिठाकर किसने मूर्तियां बनाई?

१०. महाराज यशोवर्मन की पत्नी कौन है?